

एचईसी



ISO 9001:2008

परिवार

In-House Magazine

Year 2011 Issue 5



श्री एस. सुन्दरेशन, भा.प्र.से., माननीय सचिव,
भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय, भारी उद्योग विभाग,
भारत सरकार, को एचईसी का हार्दिक अभिनन्दन



DRAGLINE - A walking Giant



Dragline base under manufacture

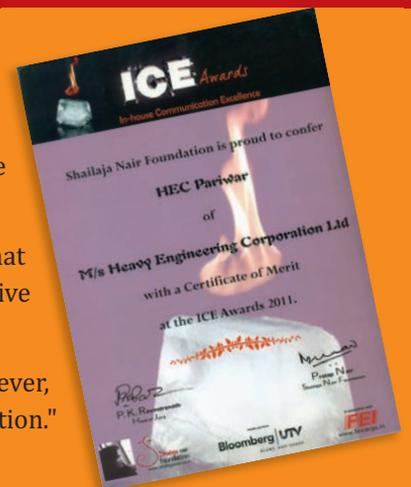
ICE Award to HEC Parivar

Jury Panel of ICE Awards 2011 observed :

"We are overwhelmed with the number of entries (497) and the Quality of the magazines we have received this year. Your magazines has also had a very special quality that the Jury appreciated.

A famous proverb goes, "Deliver your words not by numbers but by Weight." This is exactly what ICE believes in when it honours a magazine that provides the reader educative and informative reading.

Your magazine "HEC Parivar" scored very well in the **Most Imperative Content** category. However, our Jury felt there could be even more improvements in terms of Design and Employee Participation."





FROM THE CMD'S DESK

प्रिय सहकर्मीगण,
वित्तीय वर्ष 2011-12 की प्रथम तिमाही बीत चुकी है और मैं आप सबों को आनन्दप्रद एवं समृद्धशाली वित्तीय वर्ष की कामना करता हूँ। सचमुच यह गौरव की

बात है कि निगम 5 वर्षों से लगातार लाभ की राह में अग्रसर है। वर्ष 2010-11 में निगम की सकल बिक्री 681.21 करोड़ रुपये रही जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना से 29% अधिक है। इस क्रम में यह उल्लेखनीय है कि निगम को 38.14 करोड़ रु. का मुनाफा हुआ जो एम.ओ.यू. के निर्धारित लक्ष्य से अधिक है।

मित्रों, वर्ष 2011-12 को स्मरणीय वर्ष बनाने हेतु 1000 करोड़ रु. के बिक्री लक्ष्य को प्राप्त करना ही होगा। विशेषकर, एफ.एफ.पी. एवं एच.एम.टी.पी. टीम को निष्पादन लक्ष्य प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प होना ही होगा।

एन.सी.एल. से रु. 300 करोड़ के दो और ड्रैग लाइन्स का कार्यादेश न केवल हमारी क्षमता का द्योतक है बल्कि ग्राहकों का हमारे प्रति विश्वास का परिचायक है। यह एक सुखद बात है की वर्ष 2010-11 में हमने कुल 1022 करोड़ रु. का कार्यादेश हासिल किया। वित्तीय वर्ष 2009-10 कि तुलना में यह लगभग दोगुना है। वर्तमान में निगम के पास 2300 करोड़ रु. के कार्यादेश है जो हमारी क्षमता प्रदर्शित करता है। हमें याद रखना है कि चालू वित्तीय वर्ष में हमें कम से कम 1000 करोड़ रु. का कार्यादेश प्राप्त करना है।

वित्तीय वर्ष 2011-12 के लिए 1000 करोड़ रु. के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करना निगम के लिए एक बहुत बड़ी सफलता एवं देश के लिए एक उपलब्धि होगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि टीम एचईसी वर्ष 2011-12 में 1000 करोड़ रु. के उपकरण एवं सेवाओं का लक्ष्य अवश्य प्राप्त करेगा।

हमारे सम्मानित ग्राहकगण सदैव एचईसी के उत्पादों एवं सेवाओं पर भरोसा करते हैं। ग्राहकों का विश्वास कायम रखने हेतु वर्ष का हर क्षण महत्वपूर्ण है। अतः यह आवश्यक है कि बगैर समय गवाएँ हम पर जो जवाबदेही है उसे पूरा करने के लिए टीम भावना के साथ जुट जायें। ग्राहकों की संतुष्टि के साथ-साथ पर्याप्त लाभार्जन करना हमारा उद्देश्य है।

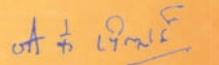
प्लान्टों का आधुनिकीकरण सबसे बड़ी चुनौती है एवं इस दिशा में भारी उद्योग विभाग द्वारा हमें सहायता दी जा रही है। भारी उद्योग विभाग, भारत

सरकार एवं एचईसी के उच्च स्तरीय शिष्ट मंडल ने विविधिकरण के नये आयामों एवं एचईसी के व्यावसायिक हितों की खोज में 8 से 11 फरवरी 2011 तक चेक गणराज्य का दौरा किया। कंपनी को व्यावसायिक मजबूती प्रदान करने हेतु नाभकीय क्षेत्र के उपकरण एवं कलपुर्जे, खनन उपस्कर तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ विशेष बड़े आकार के मशीन टूल्स के निर्माण में सहयोग के लिए कुछ कंपनियों के साथ वार्ता अग्रणी दौर में है। जुलाई माह में स्टेकर एवं रिक्लेमर के उत्पादन हेतु आवश्यक तकनीक के लिए 'फाम' (FAM) से समझौता किया गया है।

दोस्तों, अभी बहुत कुछ करना बाकी है। हमें पुरानी कार्यपद्धति, मनोवृत्ति, मानसिकता में और अधिक बदलाव लाने की जरूरत है। साथ ही नई प्रौद्योगिकी तथा नवीनतम ज्ञान को आत्मसात करने की आवश्यकता है। हम अस्थायी समाधान के पक्ष में न होकर स्थायी समाधान के पक्ष में हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि क्रियाशील बनने, नई सोच, उत्साह एवं लगन से कार्य करने से लागत में कमी आयेगी तथा गुणवत्तापूर्ण नये उत्पादों एवं सेवाओं में भी वृद्धि होगी। अभी हाल में बॉटम क्वेंचिंग सहित उन्नत कोक क्वेंचिंग कार का पेटेंट अवार्ड इस दिशा में एक सार्थक कदम है। यह रिसर्च एण्ड प्रोडक्ट डिजाइन ग्रुप (आर.पी.डी.)/एच.एम.बी.पी. के कोक ऑवेन ब्यूरो द्वारा निष्पादित कार्य है जो हमारे निर्माण क्षमता को मजबूती प्रदान करता है।

एच.ई.सी. में नये नौजवान स्नातकों ने कार्यपालक प्रशिक्षणार्थी के रूप में कार्य ग्रहण किया है जो आपके साथ कार्य कर रहे हैं। ये नौजवान निगम के विकास और समृद्धि को जारी रखने में मददगार साबित होंगे। इन्हें हम सभी का स्नेह एवं दिशा निर्देश मिलता रहना चाहिये। उल्लेखनीय पक्ष जिसका जिक्र करना आवश्यक है वह है- कामगारों का वेतन पुनरीक्षण! इसका आदेश जारी कर दिया है और आशा है कि इसका समुचित फल निगम को प्राप्त होगा। ठेका कामगारों का भी वेतन पुनरीक्षण लागू कर दिया गया है। मुझे विश्वास है कि निगम की उन्नति में सभी का सार्थक सहयोग प्राप्त होगा।

मित्रों, प्रत्येक कर्मचारी के सहयोग से असाधारण उपलब्धि हासिल की जा सकती है। कठिन मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। कर्तव्य निर्वाहण एवं अनुशासन से ही निगम की तरक्की है, जिसमें हमारी उन्नति सन्निहित है। अंत में मैं आपको एवं आपके परिजनों को समृद्धिशाली एवं प्रगतिशील वित्तीय वर्ष 2011-12 की मंगल कामना करता हूँ।



जी.के. पिल्लई

(अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक)

**सम्पादक
मंडल**

अनुग्रह झा
वरिय उपमहाप्रबंधक (मा.सं.)

के.डी. सिंह
मुख्य औद्योगिक अभियन्ता

दीपक सिन्हा
व. उप महाप्रबंधक (आर.पी.डी.)

देवराज दिनेश
व. उप महाप्रबंधक (पद्धति)

एस. सुब्रामनियम
व. उप महाप्रबंधक (जनसम्पर्क)

संजय सिन्हा
व. प्रबंधक (नि.वि.)

संगीता सिन्हा
व. प्रबंधक (का.)/मु.

शिबू जॉन
व. प्रबंधक (वित्त)/मु.



सत्यमेव जयते

S. SUNDARESHAN
Secretary

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय
MINISTRY OF HEAVY INDUSTRIES & PUBLIC ENTERPRISES
भारी उद्योग विभाग
DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY

संदेश

मैं यह जानकार अतिप्रसन्न हूँ कि एचईसी की गृह पत्रिका "एचईसी परिवार" का लम्बे अन्तराल के पश्चात् पुनः प्रकाशन किया जा रहा है।

वास्तव में, गृह पत्रिका संस्थान के क्रियाकलापों का प्रतिबिम्ब प्रस्तुत करता है। यह, एक ओर जहाँ अपनेपन की भावना स्थापित करता है वहीं दूसरी तरफ ग्राहकों एवं अन्य संबंधित पक्षों के बीच संस्थान की छवि में वृद्धि करता है।

हाल ही में एचईसी के संचालन में अभूतपूर्व सुधार हुआ है और लम्बे समय के पश्चात् यह रूग्णता से उबर उतरोत्तर वृद्धि करेगा एवं सफल सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में एक उज्ज्वल उदाहरण होगा।

एस. सुंदरेशन
(एस सुंदरेशन)

उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110 011/Udyog Bhawan, New Delhi - 110 011
Tel.: 011-23063653, 23051854, Fax : 011-23052605 Email : ssundar47@yahoo.com



सत्यमेव जयते

S. SUNDARESHAN
Secretary

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय
MINISTRY OF HEAVY INDUSTRIES & PUBLIC ENTERPRISES
भारी उद्योग विभाग
DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY

Message

I am extremely pleased to know that HEC in house magazine "HEC Parivar" has been revived after a long time and is being published at regular intervals.

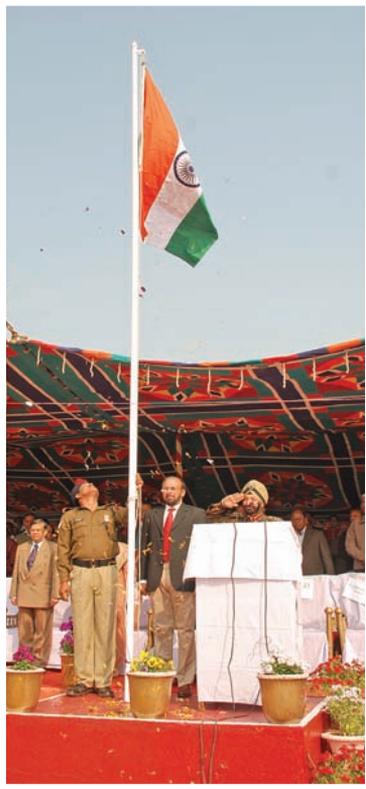
An in house magazine can be mirror of an organization reflecting the activities of its employees in various facets. This not only creates a sense of belongingness but also enhances the image of the organization among its customers and other concerned agencies.

HEC has done well in its operations in the recent past, having come out of a long spell of sickness. I am confident that the company will further improve its performance and will be a shining example of successful Public Sector Enterprise.


(S. Sundarshan)

उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110 011/Udyog Bhawan, New Delhi - 110 011
Tel.: 011-23063653, 23051854, Fax : 011-23052605 Email : ssundar47@yahoo.com

एचईसी में गणतंत्र दिवस



अंत में सीएमडी ने प्रेस, मीडिया के प्रतिनिधियों, भारत सरकार, झारखण्ड सरकार तथा स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों तथा सीआइएसएफ के जवानों अधिकारियों, स्कूली बच्चों को इस अवसर पर हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

एचईसी में 62वें गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, सेक्टर-3 में किया गया सीएमडी, श्री जी.के. पिल्लई ने ध्वजारोहण किया एवं परेड की सलामी ली। श्री पिल्लई ने लोगों का अभिनंदन करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि औद्योगिक स्वावलंबन एवं आत्म निर्भरता के लिए एचईसी की स्थापना की गई। इसने देश के औद्योगिक बुनियादी आधारभूत संरचना के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कंपनी ने जटिल एवं उन्नत उपकरणों की आपूर्ति स्टील, कोल, खनन, ऊर्जा, अंतरिक्ष, रक्षा, आणविक एवं रेल इत्यादी क्षेत्रों में की है।

एचईसी प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। कंपनी को अनेक मंचों से अवार्ड दिया जा रहा है। अभी फिलहाल में कंपनी को क्वेचिंगकार के निर्माण में पेटेंट मिला है जो बहुत बड़ी उपलब्धि है। कंपनी राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय फर्मों से सहयोग प्राप्त कर रही है। कंपनी न्यूक्लियर क्षेत्र में भी काम कर रही है।

इस मौके पर नये नियुक्त इंजीनियरों एवं अधिकारियों से कहा कि आपके सामने उज्ज्वल भविष्य है साथ ही आपके कंधे पर कंपनी का भी भविष्य है। उन्होंने युवा पीढ़ी को आह्वान किया कि 10,000 करोड़ की कंपनी बनावें। पर्यावरण के महदेनजर अब ओपन कास्ट माइनिंग को अंडरग्राउंड माइनिंग में बदलने की योजना बन रही है अतएव हमें भी अंडरग्राउंड माइनिंग उपकरणों के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

उपर्युक्त मुख्य समारोह के अलावे मुख्यालय सहित निगम के तीनों प्लांटों, प्लांट-अस्पताल, एचटीआई तथा निगम द्वारा संचालित दोनों विद्यालयों में भी झण्डोत्तोलन किया गया।



प्लांट अस्पताल के नर्सिंग छात्राओं की प्रस्तुति

एचईसी मुख्यालय में भव्य नवनिर्मित द्वार का उद्घाटन

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर एचईसी मुख्यालय में नव निर्मित भव्य स्टील द्वार का उद्घाटन सीएमडी, श्री जी के पिल्लई के कर-कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सीएमडी ने कहा कि नया गेट बदलते माहौल का प्रतीक है। हम स्टील



नवनिर्मित द्वार का उद्घाटन करते हुए, श्री जी. के. पिल्लई, सीएमडी, एचईसी, राँची

स्ट्रक्चर तथा स्टील फैब्रिकेशन के बदौलत ही तेजी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इस द्वार का निर्माण एचएमबीपी के कर्मचारियों द्वारा नियत समय के भीतर किया गया जो कि काबिले तारीफ है। मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ। अब राह चलते लोगों को इस कंपनी के गौरवमयी इतिहास के बारे में जानकारी मिलेगी साथ ही इस द्वार से कंपनी को एक नई ऊँचाई प्राप्त करने की प्रेरणा मिलेगी।





एचईसी परिवार कार्निवल 2011 का आयोजन

सेक्टर-3 स्थित जे.एन. क्लब में गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर कार्निवल 2011 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तैयार करने में जगन्नाथ नगर क्लब एवं एचईसी महिला समिति का बहुत बड़ा योगदान रहा है।



इस अवसर पर श्री जी के पिल्लई, सीएमडी, एचईसी ने कहा कि एचईसी नगर में लंबे अरसों के बाद इस प्रकार के कार्यक्रमों को पुनर्जीवित किया गया जो सराहनीय है। सीएमडी ने एचईसी महिला समिति एवं जगन्नाथ नगर क्लब के सक्रिय कार्यकर्ताओं तथा इसके अधिकारियों को तहे दिल से धन्यवाद किया। यहाँ पर अनेक स्टाल स्थापित किये गये थे एवं भरपूर मनोरंजन की व्यवस्था की गई थी। दर्शकों ने खूब आनंद उठाये।



दिनांक 12 मार्च 2011 एचईसी विद्यालय परिवार द्वारा वसंतोत्सव-2011 का आयोजन जगन्नाथ नगर क्लब परिसर में किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। दर्शकों ने रंगारंग कार्यक्रम का भरपूर आनन्द उठाया। अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक एवं अन्य निदेशकगण, मुख्य सतर्कता अधिकारी सभी वरिय अधिकारियों ने सपरिवार पधार कर उत्सव की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम के आयोजन में क्लब के पदाधिकारीगण, मानव संसाधन विभाग विद्यालय प्राचार्यों एवं शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिये गये। मंच संचालन कार्यापालक प्रशिक्षु सुश्री राशि सांचा तिकी एवं सुश्री आरती टोप्पो ने किया।



“एचईसी -

मंजिल की ओर”

तूफ़ां में चराग जला करते हैं।

हम भी उतनी हिम्मत और हौसला रखा करते हैं।।

दोस्तों अभी मेरी मंजिल थोड़ी दूर है।

रास्ते में यूँ ही, सूरज, चाँद और सितारे मिला करते हैं।।

तूफ़ां में

मिलना किस काम का गर दिल नहीं मिले।

चलना बेकार जो मंजिल नहीं मिले।।

किस धुन में तू बढ़ा जाता है आगे ही आगे।

मंजिल तो बहुत पीछे तुझे ढूँढ़ रही है।।

तूफ़ां में

मंजिलें उन्हीं को मिलती हैं।

जिनके सपनों में जान होती है।।

पंख से कुछ नहीं होता।

हौंसलों से उड़ान होती है।।

तूफ़ां में

महि डोली, सलिल आगार डोला।

भुजा की जोर से संसार डोला।।

सच है-

“मानव जब जोर लगाता है

पत्थर पानी हो जाता है”

कस कमर उत्पादन में जुट जाना है।

अब न कोई बहाना है।

डगर है लम्बी हमारी,

हमें धरती से चाँद पर जाना है।

यदि माँ ही नहीं रहेंगी, तो बच्चे कहाँ रहेंगे?

किस बगिया में, फूले और फलेंगे।

तूफ़ां में

लक्ष्य न ओझल होने पावे।

श्रम संघर्ष नीति, पर चल।

सफलता तुम्हारी कदम चूमेगी,

आज नहीं तो कल।

तूफ़ां में चराग

राम किशोर सिंह चौहान

कनीय प्रबंधक- सामग्री प्रबंधन/एचएमबीपी

Patent granted to Improved Coke Quenching Car



Coke Quenching Car showing Inner & Outer Gate
(LH Side Open & RH Side Closed)

HEC has recently been awarded its first patent for Improved Coke Quenching Car having bottom quenching facility. Coke quenching cars are used in coke oven battery complex for quenching of hot coke.

In a conventional coke quenching car, hot coke is quenched from the top,

inside the coke quenching tower causing uneven quenching. As the coke is not distributed at uniform depth throughout the slant bed of the car, the coke zone at the maximum depth is not quenched simultaneously with the middle zone and upper zone and as a result of this moisture content of the quenched coke could not be controlled.

In the patented improved coke quenching car, hot coke in addition to top quenching is also quenched from the bottom of the slant bed and the sides. This causes uniform quenching throughout the coke bed ensuring moisture content of less than 4% with the added advantage of less water requirement for quenching and less escape of steam in quenching tower resulting in reduced air pollution. Lower moisture content in coke reduces the energy consumption in Blast Furnace when coke is fed in the furnace.

The product patent 244389 has been awarded to HEC by intellectual Property & Patent Office, Government of India. This Patent is valid until 2025.

This developmental work was undertaken by Coke Oven Bureau of Research & Product Design Group (RPD)/HMBP. Mr. Arvind Kumar Singh, Sr. DGM & Mr. Alok Kumar, Sr. DGM developed the design of the improved coke quenching car with bottom quenching.

HEC bags prestigious order of Draglines worth Rs. 306 Cr.

HEC secured order for supply & commissioning of two Draglines (24 CuM/88 m) valued at Rs. 306 crores from Northern Coalfields Ltd.(NCL). Earlier in September, 2009 HEC bagged order for one Dragline from NCL against stiff Global competition and supplied the equipment well within time.

HEC is the first Indian company to manufacture the heaviest machine on the earth, Walking Dragline with 24 Cubic Meter Bucket capacity and 96 meter long Boom. Dragline weighing around 1800 Tons is one of the most

productive and large size machines that are used for removal of coal & over burden from open cast mines and no additional transportation device required to take the material to pit head or dump yard. It was in 1983 when the first Dragline rolled out from HEC's works & commissioned in Jayant area of Northern Coalfields Ltd. Subsequently, HEC supplied 12 nos of Draglines to various CIL subsidiaries (NCL, MCL, SECL and BCCL). The machines have latest state of the art control system with faster response and easy maintainability. Some other advanced features are - Boom protection device, Self diagnostic system, Production Monitoring System which will record all operational data etc.

"Performance Excellence Award" conferred on HEC Ltd., Ranchi

At the 15th CEOs Conference 2011, held at Goa from 16th to 18th May 2011, Heavy Engineering Corporation Limited, Ranchi has been conferred with a "Performance Excellence Award 2010" in organization category for its outstanding contribution to the Industry. The award was given by the Hon'ble Chief Minister of Goa, Shri Digamber Kamat to Shri G K Pillai, Chairman and Managing Director, HEC.

The conference was organized by Indian Institution of Industrial Engineering (IIIE).



"BRPSE Turnaround Award 2010", for HEC

The Board for Reconstruction of Public Sector Enterprises (BRPSE) has

bestowed HEC with "BRPSE Turnaround Award 2010". The award was received by Shri G K Pillai CMD, HEC Ltd from Dr. Nitish Sengupta, Chairman BRPSE, in Tagore Hall at SCOPE Complex, New Delhi on 10.03.2011.

Smt. Stuti Kacker, IAS, Secretary, BRPSE;

SAIL and member BRPSE; Dr. U D Choubey, Director General SCOPE and other stalwarts from different CPSUs and GOI were also present on this occasion.

The award has been given to HEC Ltd., Ranchi for continuously *earning profits for the last three years upto 2009*. The Corporation has been declared a "Turnaround PSU", earning profits on a sustainable basis.

It is a pride that the Company has increased its turnover considerably since 2006 and at the same time earned profits for the last Five consecutive years.

Public Sector Day [10th April 2011] & Public Sector Week [10th April-16th April 2011]



The concluding programme of the Public Sector Week, 10th April-16th April 2011, observed by Heavy Engineering Corporation Limited was held on 16th April 2011 at HMBP Conference Hall. Being a part of the nation wide Central Public Sector Undertaking who are celebrating the week, the Corporation held a few programmes to bring about awareness about PSU's among the employees, public at large. Shri R Misra Director (Finance) was the Chief Guest and Shri Bharat Prasad Director (Marketing) was the Guest of Honor & Shri Ravindra Verma; Chief Vigilance Officer was the Special Guest on the landmark historic event.

The focus of the 'Public Sector Day & Week' was to recapture the glorious history, contributions and achievements as well as the current spirit with which the economic revolution is being taken forward by the public sector. Many activities on this occasion were organized like display of banners, debates, essay competitions etc. The programme was attended by executives of all levels.

Vigilance Awareness Period In HEC

A Session on the Topic "Role of Executives in Combating Corruption" was held at HEC Auditorium by Shri Ravindra Verma, Chief Vigilance Officer, HEC Limited 29th June 2011. The session was attended by Shri G K Pillai, CMD, Shri R Misra, Director (Finance), Shri Bharat Prasad, Director (Marketing), Shri Kushal Saha, Director (Production), GMs and other senior officers of the Corporation.

The cause and ill effects of corruption in Govt. organization was described in detail by CVO. The senior executives were guided to follow proper procedures / rules in dealing with various contracts to avoid any chance of corruption. They

were also advised to keep proper surveillance over their staff working under them to ensure that no officers/staff indulges in corruption.

The gathering was also addressed by Shri G K Pillai, CMD, who instructed all officers to take all measures to ensure corruption free working in HEC.



Success Stories

For the very first time in recent history of HEC, Power Supply Department (PSD) of Foundry Forge Plant has been able to attain and maintain Average Power Factor (APF) of the month greater than 0.95 achieved in the month of November 2010. In fact it has achieved 0.955 resulting in availing rebate in Electricity Bill @ 2%. By doing so, a sum of Rs 4.26 Lakh have been saved in the month of November 2010. This could be possible, only by continuous monitoring of existing condenser banks installed in different substations at different load centers i.e. switching ON or OFF the required number of condenser units according to the load of different shops on

daily basis. It is noteworthy that the APF for the month of December 2010, January 2011 and February 2011 has been achieved greater than 0.95 and efforts are being made to maintain this trend and avail rebate @ 2% against APF every month. If this trend is maintained there would be a definite saving of approximate Rs 50 Lakh per annual against Electricity Bill of HEC.

Behind this astonishing achievement is a team of PSD comprising of Shri Sunil Kumar Sr.DGM, Shri K K Kamal Sr.Mgr, Shri H Vishkarma Sr.Mgr, Shri J Mahto Dy.Mgr, Shri R P Pandey Dy. Mgr, Shri Rakesh Ranjan CE and other members of the Power Supply Department.

Our Best Wishes to them.

Two Horizontal Boring machines (Inventory No. 7077 of SFW, Model : SKODA WD160 & Inventory No. 1571 of 020 shop Model LR 149) were lying idle for more than 12 years due to its inherent problem in the movement of Spindle feed and headstock. Its electrical control systems were in a very bad shape and were beyond repair. Seeing the utility of these machines in today's context, our GM HMBP assigned then Sr.DGM I/C Maintenance, HMBP Shri M.V.R.Murty to rectify it in two months with the internal resources.

He took the challenge and formed a team to get this job done under supervision of electrical and mechanical engineers of Maintenance Dept/HMBP. Old control systems and switchgears were removed and total five nos. (3 nos in WD 160 and 2 nos in LR 149) of Drives were installed, interfaced and commissioned. At the same time lubrication systems were also made operational. Finally both the machines were re-commissioned and made operational, ahead of target date, on 30.07.2011.

S.K Diwakar, Contract Engineer, Suresh Prasad, Jr.Manager, Mahavir Mahato, Jr.Manager Vijay Kr. Singh, Contract Electrician, CNC Lab, L.K.Singh, Jr.Manager, A.N.Mishra, Ex.Jr.Manager, P.S. Topno, JM & B. Khalkho were the key persons in the renovation. Congratulation to the entire maintenance team.

एफ.एफ.पी. के 03 फोर्ज शॉप के लाईट फोर्ज शॉप का 3 टन हैमर करीब तीन महीने ब्रेक डाउन रहा। इसका कारण था इसके सिलिन्डर का करीब 40-45 वर्ष पुराना होना जो काफी जर्जर हो चुका था। समय की मार एवं लगातार प्रयोग में आने के कारण सिलिन्डर के अन्दर का हिस्सा काफी घिस चुका था। प्रत्येक महीने 20 से 25 हजार रुपये का पिस्टन रिंग बदलना पड़ रहा था। इसके अलावा नियमित अंतराल पर पिस्टन रिंग बदलाव के कारण ब्रेकडाउन का समय बढ़ रहा था। जॉब बनाने के लिए सीमा भी नियंत्रित करनी पड़ रही थी। पिछले 15-20

वर्षों से यह समस्या बढ़ती ही जा रही थी। नये सिलिन्डर की कास्टिंग प्राप्त करने के लिए काफी प्रयास किया गया परन्तु क्लिष्ट डिजाइन के कारण सबने असमर्थता व्यक्त की। यूक्रेन की पार्टी "डायनोप्रेस" ने करीब 1.55 करोड़ रुपयों की पेशकश की और समय सीमा छः महीने रखी। एफ.एफ.पी. में भी कास्टिंग का एक प्रयास किया था। वह भी असफल रहा। हमने पुनः कुछ दिनों बाद कुछ बदलाव के साथ दूसरा प्रयास किया और हमारी कास्टिंग सफल हुई जो सारे मानदंडों को पुरा कर रही थी। तीन महीने से भी कम समय की सीमा में

एफ.एफ.पी. एवं एच.एम.टी. के सहयोग से यह कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो गया। एफ.एफ.पी. के 01 शॉप में कास्टिंग 05 शॉप में फेटलिंग, 03 शॉप में असेम्बली एवं एच.एम.टी. पी. में मशीनिंग के मिलेजुले प्रयास से आज एक नया 3 टन हैमर का सिलिन्डर सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। और इसपर कुल खर्च आये करीब 15 से 20 लाख रुपये मात्र।

इस जटिल कार्य का सफलतापूर्वक सम्पादन करने एवं विदेशी मुद्रा की बचत के लिए इस कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कामगारों को बधाईयाँ।

Service towards Society

A Free Blind Relief Camp from 3rd Jan '11 to 14th Jan '11 was organised by "HEC Plant Hospital". The objective was to extend its expertise and infrastructure to the needy in preventing blindness. The eye check-up and surgical management camp was formally inaugurated on 3rd Jan '11, by Smt Anila Pillai, Patron, HEC Mahila Samiti. Accompanying her, were Smt Meenakshi Misra, President, Smt Upasana Prasad, Smt. Sandhya Sharma, Smt Usha Sinha, Smt Shobha Singh, Smt Anita Raj and Dr Reena Sinha.

The Hospital increasingly used phaco-emulsion, generally a



preferred method for cataract surgery on 122 patients who were successfully operated upon without any undue risk. The first cataract surgery was of a 90 years old lady from Ranchi. The camp also addressed specific eye problems and helped improve the health parameters of the others who had registered themselves. A total of 503 patients, who had registered since 29th Dec '10 were under the care of the Hospital. Dr OP Gupta, Consultant Ophthalmologist, Eye Dept aided by and Dr Vipul Kumar, Ophthalmologist and other Doctors in the Hospital had carried out the diagnosis, treatment and operations. They were assisted by their department, nursing staff and para medical staff of the Hospital.

The hospital has been offering these specialized services including post operative referral services free of cost since the last three years for poor people coming from rural areas. The success rate of the camps has been fueling its demand.



Smt. Anila Pillai, Patron, HEC Mahila Samiti. inaugurating Blind Relief Camp

The registration of in patients have been increasing in numbers every year.

The beneficiaries come from in and around Ranchi and also from far of places such as Siwan, Muzaffarpur and parts of Orissa, UP and MP.

The Corporation is eager to take up many more social services into deeper pockets of Jharkhand, as a part of its **corporate social responsibility**.

The encouragement and support of HEC Mahila Samiti under the leadership of its Patron Smt. Anila Pillai & President Smt Meenakshi Misra, along with other committee members is worth mentioning as they had been the back bone of the camp by providing moral and material support to the patients, who come from far flung areas.



Shri R Misra, Director (Finance), HEC Limited, cleared the Trolley of 450 T Crane for despatch in a ceremony held at 042/044 shop, HMBP on 10th February 2011.

Earlier HEC has supplied four nos of 450 T Cranes to Bokaro Steel Plant having conventional control with simple gear box and hoisting speed of 2 mtr per minute. As a remarkable improvement and first time designed in India, the hoisting speed of the new crane being dispatched is 7.5 mtrs per minute.

The hoist mechanism is equipped with the state of the art configurations and controls facilities to achieve micro speed during the tilting and poring of hot metal and robust safety mechanism. The excess regenerated energy during the lowering

of the load is diverted to the DSL (Down Shop Leads) system thus saving a lot of energy.

The design of this trolley was developed in RPD/HMBP by team of designers under the guidance of Dr. Madan Jha, Sr. DGM.

Congratulation to HMBP team for developing and despatching ahead of schedule.

Shri Saurabh Chandra, IAS, Additional Secretary and Financial Advisor and Shri Harbhajan Singh, IAS, Joint Secretary, from the Department of Heavy Industry, Govt of India, visit HEC.

Shri Saurabh Chandra, IAS, Additional Secretary and Financial Advisor and Shri Harbhajan Singh, IAS, Joint Secretary, from the Department Of Heavy Industries, Govt. of India, visited HEC on 26th and 27th Dec 2010. They had come to examine the performance of the Corporation while attending the Board meeting.

Later after the meeting, the Board members went to HEC Plant Hospital, where Shri Saurabh Chandra, IAS, AS & FA, inaugurated the Free Rural Community Health Programme initiated by HEC Plant Hospital for the periphery villagers. The initiative under the CSR of the Corporation would provide free

health services to the peripheral and surrounding villages.

Free medical treatment, counseling and free medicines to women, children and the needy would be extended during the visits to these places thrice a week. A team of Doctors from the Plant Hospital accompanied by the medical team would extend their expertise during the outreach programme.

The Board members also visited the upcoming HEC International Cricket Stadium and Tennis Academy in HEC Township and appreciated the progress made and were briefed about the stadium by the members of the JSCA.



Shri Saurabh Chandra, IAS, Additional Secretary and Financial Advisor and Shri Harbhajan Singh, IAS, Joint Secretary, from the Department of Heavy Industry, Govt of India, inaugurating the health services van.



MoU signed between M/s HEC Ltd, Ranchi & M/s Vitkovice a.s., Czech Republic

A Memorandum of Understanding is signed by Shri G K Pillai CMD on behalf of M/s Heavy Engineering Corporation Limited, Ranchi & Mr. Dalibor Fabian, Commercial Director on behalf of M/s Vitkovice a.s., Czech Republic in the presence of Shri S Sundareshan IAS, Secretary, Ministry of Heavy Industries and Shri Harbhajan Singh IAS, Joint Secretary, Ministry of Heavy Industries & Public Enterprise at Udyog Bhavan, New Delhi. Present on the occasion

were Mr. Michal Pastusek, Director General, Vice President of Board and Mr. Robin Ojha, MD, Vitkovice India Power Pvt. Ltd.

"Vitkovice" is an important Czech engineering group with a strong position in selected segments of machinery production and in the area of supplies of large investment assemblies incorporating approximately thirty companies including Vitkovice Heavy Machinery a.s. and has expertise in manufacture of ship components, components for Nuclear Power, Marine and equipment for steel plants. Vitkovice Power Engineering a.s. has expertise in manufacture of Thermal Power, Nuclear Power equipment and



MoU document exchange at Udyog Bhavan, New Delhi

steel plant and machinery.

Both the companies have agreed to cooperate for mutual interest and successful working in the areas of Steel Plant Equipment, Thermal & Nuclear Power Plants and Shafting for Naval Ships. Major thrust is expected to be for Transfer of Technology for Special Steel making for forgings and castings of Nuclear and Thermal Power Plants.

Lt. General (Retd.) Andi M. Ghalib, Indonesian Ambassador to India at HEC Limited, Ranchi



HEC welcomes Director (Production)



Shri Kushal Saha joined as Director (Production) of HEC Ltd, Ranchi on 20th June 2011. Shri Kushal Saha born on 14th November 1959 has had a very successful academic and professional career. He graduated from Indian Institute of Technology (IIT), Kharagpur in 1982 and did Master in Business Administration

from XLRI, Jamshedpur. Shri Saha has spent 12 years in Tata Motors Limited, Jamshedpur. He has worked in senior position in different organization as GKW Limited Mumbai, Cosmo Furious Limited, Perfect Circle India Limited, Nashik (Anand Group Companies), Hindustan Development Corporation Limited, Kolkata shouldering major responsibilities. He held the position of President of Walchandnagar Industries Ltd, Pune, before joining HEC Ltd. With the varied experience of Shri Kushal Saha, HEC Ltd, would see further growth and expansion in its operations.

HEC Inducts Executive Trainees (2011 Batch)

The Corporation has inducted 93 Graduates from major disciplines as Mechanical, Production, Electrical, Metallurgy, Human Resources, Civil, IT, Electronics and Ceramics. These youngest demographic Executive Trainees- 2011 Batch, with a spirit of exuberance will provide an opportunity for a sustained growth and prosperity of the Corporation.

The inaugural function of the induction training was graced by Shri G K Pillai, CMD, Shri R Misra, Director (Finance) Shri Bharat Prasad, Director (Marketing & Production) Shri Ravindra Verma, CVO. Dr. K K Kadam, CMO, GMs of the plants, Sr DGMs & other senior officials of the HEC. A rigorous 3 months training program for

the batch has been planned covering all the aspects of working of the Corporation. Special care has been taken by assigning mentors for them drawn from the various work places where they would eventually be posted. The mentors would teach and guide these aspiring youngsters the fundamental principles of working in the industry. CMD in his speech highlighted the uniqueness of the Corporation. He described the initiatives, plans, steps to be on the right track and make the organization grow. He also congratulated the executive trainees on their joining and working for the prestigious organization. The induction



The first interface of the ETs with CMD, HEC

training programme based on their specializations will encourage them to acquire skill through on the job training and to be a good role model in terms of discipline, compliance and performance.

All the trainees are to be given a cross functional experience under a structured training programme. Rotation in all the manufacturing units will apprise them of the wide spectrum of activities of the corporation.



Congratulations

Shri Harshit Ratan (First from left), 2008 batch graduate in Law from Bangalore University, son of Smt Sujata Gupta & Shri Hemant K Gupta, SDGM I/C (PR)/& CPIO, HEC was awarded the "BEST EMPLOYEE OF THE DEPARTMENT-FINANCE", from M/S KINGFISHER AIRLINES, Mumbai, for his outstanding performance and dedication. He joined Kingfisher Airlines as corporate legal officer in Oct. 2008. He got a double Promotion within this short span of time.



Asit Kr. Singh
IIT-JEE 2011
AIR - 4142
S/o Sri Arvind Singh
JM, MMD/HMBP



Abhishek K. Jha
IIT-JEE 2011
AIR - 4654
S/o Sri R.K. Jha
Sr. Mgr., 041-42/
HMBP



Gourav S.B.
IIT-JEE 2011
AIR 6316
S/o Sri B.K. Nayak
SDGM, Vig./HQ



Deepak Kumar
IIT-JEE 2011
Category 582
S/o Sri D.N.
Choudhary
SDGM, 04/FFP



Shreya
School Topper (Commerce)
Class XIIth, JVM Shyamali,
D/o Shri J.P. Prasad
SDGM, Spares/HMBP

एचईसी
परिवार की
लाख-लाख
बधाईयाँ एवं
शुभकामनाएँ



Shri R. Misra, Director (Finance) addressing during the farewell.

The employees of the HEC Ltd Ranchi, bid farewell to **Shri Sant Kumar Sharma** and **Shri Ashok Kumar Sinha**, both in the ranks of General Managers in a farewell function organized at HMBP on 31st Jan 2011.

Engineering in Mechanical Engineering in 1971, he pursued M.Sc. (Engg) in BIT Sindri till 1973. He joined the Corporation on 28.04.1973 as an Engineer Probationer. Rising from the rank he became the head of HMBP

Shri Ashok Kumar Sinha, born on 16th Jan 1951, at Gaya, completed his Engineering from MIT, Muzaffarpur in 1972 in Mechanical Engineering. He joined HEC in 1973 as Engineer Probationer and worked in different departments of HMBP. He was promoted as In charge Draglines Group and then General Manager Special Projects, considering his vast experience in HMBP in different areas and capacities.

Shri R Misra, Director (Finance) while recalling the various meetings & interactions with both the GM's highlighted their dedication in solving problems. He added that they could steer HMBP to contribute substantially to the turn around of the Corporation.

Shri Ravindra Verma, CVO wished them success in their lives.



Shri SK Sharma born on 21st Jan 1951, had a very successful academic and professional career. Being educated in NIT Patna, erstwhile Bihar College of Engineering and completing B Sc

on 1st July 2008. He got promoted as General Manager of HMTF on 1st Jan 2009. He then joined as GM, HRD on 4th June 2010 which he served till his superannuation.

अतीत के झरोखे से



श्री अनुग्रह झा ने मुझे कहा कि आप एचईसी से प्रारम्भ से जुड़े हैं। कुछ पुरानी बातें जो नई पीढ़ी को ज्ञात नहीं हैं, लिखें।

मैंने 1957 में बी.आई.टी सिन्दरी से एलेक्ट्रीकल

इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त कर बिहार राज्य विद्युत बोर्ड में अपना योगदान दिया। मेरी अंतिम पोस्टिंग विद्युत सहायक अभियंता सासाराम थी। मेरे कार्यकाल का आधा समय जीप पर ही बीतता था। यह मुझे रास नहीं आया। 3 साल नौकरी करने के बाद 1960 के अन्त में एचईसी से जुड़ा। तब से सेवा निवृत्ति तक भिन्न भिन्न जगह पर काम किया। अंततः 1992 में उपमहाप्रबंधक कॉरपोरेट प्लानिंग के पद से सेवा निवृत्त हुआ।

प्रारम्भ में एचईसी का मुख्यालय नेपाल हाऊस राँची था। बिहार सरकार ने कुछ आवास अधिकारियों के लिए आंवटित किये थे। यातायात का साधन राँची से धुर्वा तक सिर्फ बस ही था। सड़क कच्ची थी

और लोग बड़ी कठिनाई से कार्यस्थल तक पहुँच पाते थे। कुछ अस्थाई आवास धुर्वा में निर्माणाधीन थे। दिसम्बर 1960 से लोगों ने इनमें रहना प्रारम्भ किया। सब मिलाकर मात्र 180 आवास बने थे।

एचईसी का पहला बड़ा भवन रसियन होस्टल 1961 के प्रारम्भ में बनकर तैयार हुआ। इसका शिलान्यास बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री स्वर्गीय डॉ. श्रीकृष्ण सिंह ने की थी। इन्हीं के अथक प्रयास से यह कारखाना राँची में स्थापित हुआ। यह बिहार के औद्योगिकीकरण का काल था। अगर दिल्ली भारत की राजधानी है तो राँची की परिकल्पना उन्होंने औद्योगिक राजधानी के रूप में की। कोयला, इस्पात, तथा इंजीनियर उद्योगों का मुख्यालय राँची में खुला। सार्वजनिक क्षेत्र में यही मुख्य उद्योग थे। उनकी मृत्यु के लोग इस विरासत को नहीं संभाल सके और सब बिखर गया।

मैं एचईसी के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण दिन 15 नवम्बर 1963 को मानता हूँ। इसी दिन भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री जवाहरलाल नेहरू ने इसे देश को समर्पित किया तथा इसे "नये भारत के मन्दिर" की संज्ञा दी थी। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मंच की सारी व्यवस्था मुझे सौंपी गयी थी। दिवाली के दिन होने की वजह से सायं के

सांस्कृतिक कार्यक्रम को गर्वनर हाउस में स्थानांतरित करना पड़ा था। दिवाली के दिन सारा शहर खास कर प्रधानमंत्री के सुरक्षा की नजर से सही नहीं माना गया।

समय के साथ एचईसी में बहुत सारे उतार-चढ़ाव देखें। बदलाव का दौर देखने को मिला। देश के भिन्न भिन्न क्षेत्रों से मुखिया आते रहे और अपनी पुरानी संस्था के कार्यकलाप के अनुरूप इसे ढालने की चेष्टा करते रहे। हर दो साल में काम करने का ढंग बदल जाता था। यह सिलसिला अनवरत चलता रहा। यह जानकर आपको ताज्जुब होगा कि जितने समय में टाटा स्टील के दो अध्यक्ष हुए उतने ही समय में एचईसी में 20 अध्यक्ष हुए। मेरी नजर में इस संस्था के बदलहाली का सबसे बड़ा कारण यही था।

विगत पांच वर्षों से निगम एक सक्षम एवं कुशल नेतृत्व में प्रगति के पथ पर अग्रसर है और निरंतर लाभ अर्जित कर रहा है। यह जानकर काफी संतोष एवं शुक्ल का अनुभव करता हूँ। मेरी शुभकामना है कि इसी प्रकार नेतृत्व के स्थायित्व के साथ निगम दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करे।

एस.एम. शर्मा

शत-शत नमन



बनाता है तू ही तो वीरानों को चमन,
करता है ये मन आज तुझे शत-शत नमन।
भूल नहीं सकती मैं वो अन्धेरा क्षण,
कोई सम्बल न था और गहरी थी भटकन,
तब तेरी कृपा-ज्योत ने दिखाई थी राह,
लगा, पा लूँगी वो सब जिसकी है चाह,
दिया है तूने मुझे चैन और अमन,
करता है ये मन आज तुझे शत-शत नमन।
जानती हूँ, है माया ने मुझे कई बार छला,
तेरे करम से ही तो दूर हुई हर बला,
कण्टक-बीथियों पर जब डगमगाए मेरे कदम
तेरी दया से वो बन गयी बाटिका-सम,
कर दिया उस कठिन राह को तूने सुहावन,
करता है ये मन आज तुझे शत-शत नमन।
पाकर अपनी मंजिल सभी भूल जाते हैं तुझे,
नहीं कहती कि समझ अलग सबसे तू मुझे,
चाहूँगी कहना पर पहुँच मंजिल पे अपनी आज,
कि पंक्ति नहीं,
है कोशिश ये बताने की कि, है बस तेरा राज,
यूँ ही नहीं कहते कि घर तेरा है सबका मन,
करता है ये मन आज तुझे शत-शत नमन।

- शिप्रीता वर्मा/ कनीय प्रबंधक
तकनीकी सेवा विभाग/एफ0एफ0पी



एचईसी सुरक्षा संकल्प दिलाते प्लांट प्रमुख श्री आई.बी. मिश्रा

सुरक्षा के प्रति दृढ़ संकल्प एचईसी

एचईसी ने 4 मार्च से 10 मार्च तक राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह मनाया। इस अवसर पर कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने सुरक्षा संकल्प लिया एवं सुरक्षा के प्रति निगम की दृढ़निष्ठा एवं कर्तव्यों को दुहराया। कर्मचारियों के बीच सुरक्षा की भावना पर अधिक से अधिक जागृति लाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों यथा प्रतियोगिताओं, संगोष्ठियों, विज आदि के आयोजन निगम के तीनों प्लांटों में किए गये। पर्यावरण के प्रति कम्पनी की कटिबद्धता एवं निगम की नैतिक जिम्मेदारियों के निर्वहन की महत्ता पर बल दिया गया।



(श्री लक्ष्मी नारायण)

पुरस्कृत



(श्री राजेश प्रसाद सिन्हा)

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (लोक उपक्रम) राँची द्वारा सीसीएल में आयोजित नगर स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में एचईसी के श्री लक्ष्मी नारायण वरीय शिक्षक (श्री राजेश प्रसाद सिन्हा) विशिष्ट श्रेणी/ओएसडी, सामग्री प्रबंधन विभाग, एचएमबीपी तथा श्री राजेश प्रसाद सिन्हा, वरीय उपमहाप्रबंधक, एफएफपी को क्रमशः प्रथम एवं सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। इन्हें यह पुरस्कार नराकास के अध्यक्ष श्री आर.के. साहा, अध्यक्ष -सह-प्रबंध निदेशक, सीसीएल द्वारा दिनांक 17 अगस्त 2011 को नराकास की बैठक में प्रदान किया गया। दोनों अधिकारी बड़े ही मृदुभाषी एवं कर्तव्यनिष्ठ हैं एवं राजभाषा के प्रति समर्पित हैं तथा राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। इन्हें राजभाषा विभाग एवं एचईसी परिवार की ओर से बधाई।

संघर्ष एक सतत् प्रयास



सपनों को तुम सजाए रखना,
उम्मीद की लौ जलाए रखना
क्या हुआ, गर आज तेरा नहीं
आज होता सबकुछ, तो कल न बनता
जिन्दगी में सबको आता है एक दिन
लेकर खुशियों का पैगाम
थामकर धैर्य और मेहनत का दामन
राही तू चलते जाना रे।
लेता है वक्त इम्तिहान कभी कभी

मैदान छोड़ तू भाग न जाना,
करना डटकर सामना तब,
ठहर न पाएगी वो पास तेरे
कर समर्पण, झुक जाएगी।
आज नहीं, तो कल तेरी बारी आएगी
सपनों को तुम सजाए रखना
उम्मीद की लौ जलाए रखना।

-माला, विपणन विभाग

“HEC-Road to Success”, Highlighted at the India International Trade Fair, in Pragati Maidan, New Delhi



Sh. Hemant Soren & Sh. Sudesh Mahto (Dy. CM's, Jharkhand) at HEC Stall.

HEC participated in India Trade Promotion Organization organized the 30th edition of its popular annual event, the India International Trade Fair, in Pragati Maidan, New Delhi from November 14th to 27th, 2010. The twin focus was on "Energy - Technology and Eco - Technology" during the fortnight long fair.



A view of HEC Stall at IITF.

The iconic national event led to a large no of visitors' numbering more than 400 visiting the stall and appreciating the Corporation contribution. The prominent among them were Shri Hemant Soren, and Shri Sudesh Mahto both Dy. Chief Ministers, Govt. of Jharkhand, Shri Baidyanath Ram, HRD Minister, Govt. of Jharkhand, Shri D.K.Tiwary, IAS, Principal Secy of CM, Govt. of Jharkhand; Shri A.P.Singh, IAS, Secy. Industries and Shri N.N.Pandey, IAS, Secy. Energy Govt of Jharkhand; Shri Rajeev Kumar, IAS, Resident Commissioner, Jharkhand Bhawan, New Delhi and Shri T. Nand Kumar, IAS (Retd).



AUTOFEST IN THE CITY

HEC became a presenting PSU, with showcasing of its vintage BUICK ESTATE WAGON in the city's first and largest auto show of Jharkhand, "AUTOFEST 2011". It was organized at Jaipal Singh Stadium, Ranchi from the 4th to 6th Feb, 2011.

The BUICK, was used by our country's first PM Pandit. Jawaharlal Nehru during his visit to Ranchi on 15th Nov 1963, with a mission to dedicate the HEC complex to the Nation. It evoked nostalgic feelings and raked up yesteryears happy memories.



ADNUTECH 2010 at Mumbai on 2nd-3rd December, 2010



MPIGT 2010 at RDCIS, Ranchi

Know your Colleague

Sri S.K. Saha, Sr. DGM, Project Division, passed from BIT Mesra in Electrical Engineering. He joined HEC on 30th March 1981 as Executive Trainee, worked at RPD/HMBP till Dec.'2005. He was transferred to then formed Project Division as Sr. DGM Electrical.

He was instrumental in executing 135 crore CHP Project at NCL, Nigahi in 2009 well ahead of the schedule. Presently he is associated with execution of 2 projects namely Ore Handling Plant & Coal Handling Plant at BSP, Bhilai.

Smt. Prativa Saha is Science Teacher in Loyola Convent, Hinoo and an outstanding home maker.

The couple has 2 children; the elder one Sri Saurabh Kr. Saha is pursuing Ph.D. at Massachusetts Institute of Technology, USA and the younger son Sri Sudeep Kr. Saha after passing B.Tech. SRM University, Chennai is working in



Saha Family, Prativa

TCS as System Engineer since Dec.'2009.

Sri Saurabh has brilliant academic career throughout, some of his achievements are:

1. Filed a patent to GOI on Model for Dry Electric Discharge machining process (dry EDM).
2. In 2008 he got offer of fellowship to pursue his PhD in top four universities in USA
a) MIT b) Illinois c) Michigan d) Georgia.
3. Did his B.Tech & M.Tech from IIT Kanpur and stood First Rank.
4. Received Gold Medal in National Chemistry olympiad in 2003 when he was in class XII.
5. Ranked 2nd In Jharkhand State in class XII Exam and got Merit certificate from CBSE for outstanding academic performance & being among the 0.1% successful Candidates.
6. Received Fellowship from Kishore Vaigyanic Protsahan Yozana awarded by Department of Science & Technology GOI in 2001.
7. Got NTSE Scholarship awarded By NCERT New Delhi, 2001.
8. School Topper (ST. Thomas Dhurwa) in Class X in the ICSE 2001 exam.



Saurabh Kr. Saha



Sudeep Saha

Story of Son & Father

Part -I

The son of an HEC Employee who was doing his MS degree course at University of Alberta, Edmonton, CANADA, one day he happened to converse with one of his professors of Indian origin. The Prof. asked his student to which place in India he belongs to? The Student replied, he belongs to 'Ranchi'.

The Prof. instantaneously retorted "Does your father work in HEC? This immediate reaction of Prof. made the student, son of an HEC employee so proud & happy that after the talk he immediately rang his father & narrated the story & joy for both obviously knew no bounds.

Part-II

After Completing his MS degree the son joined one MNC in Bangalore which had a state of the art office there.

One day early in the morning the son took his parents to his the fabulous office & showed them all the special facilities like Gymnasium, Billiards Room, Rest room etc.

The office had many tea & coffee corners where tea & coffee vending machines, biscuits etc were kept for refreshing the employees. The wage for tea for the tea addict father rose seeing all these facilities at early morning hours.

The father now expected his son to offer him tea before parting

off but to the utter surprise of the father the son said 'Good Bye' to them from his office without offering him a cup of tea before the rest of the office set in. To this the fuming father could not resist himself & told his son "at HEC we at least offer a cup of tea to every visitor".

With these words the father expressed his lurking pride for HEC where not only machines are made but human relationships are also valued.

Contributor:- Father :- P.S. Palit, Sr DGM I/c CP/MM/HMBP
Son:- Biswaroop Palit, B.Tech (Elect) IIT, Kanpur MS (Image Processing), University of Alberta, Edmonton, CANADA. Now doing MBA at Ross School of Business, Michigan University, USA.

Mrs. Mitali Palit is a Sanskrit Teacher in Kairali School, Dhurwa and Dr. Deepshikha Palit is a Medical Practitioner.



Mr. P.S. Palit



Mrs. Mitali Palit



Mr. Biswaroop Palit



Dr. Deepshikha Palit



Brain Teasers

1. How did Mark legally marry three women in Michigan, without divorcing any of them, becoming legally separated, or any of them dying?
2. Mom and Dad have four daughters, and each daughter has one brother. How many people are in the family?
3. What English word retains the same pronunciation, even after you take away four of its five letters?
4. If I say "Everything I tell you is a lie," am I telling you the truth or a lie?
5. What work can a painter never quite finish?
6. Why wasn't Bertha put in jail after killing dozens of people?
7. Why wasn't John able to take a photo of his mother with curlers?
8. If there are three cups of sugar and you take one away, how many do you have?

9. What has a mouth but can't chew?
10. How many letters are in the alphabet?
11. What gets wetter and wetter the more it dries?
12. What can travel around the world while staying in a corner?
13. Food can help me survive, but water will kill me. What am I?
14. Take away the whole and some still remains. What is it?
15. What stinks when living and smells good when dead?
16. When is it bad luck to meet a white cat?
17. If it has a quart capacity, how many pennies can you put into a empty piggy bank?

17. Just one - after that it won't be empty.
16. When you're a mouse.
15. Bacon.
14. The word "wholesome".
13. Fire.
12. A stamp.
11. A towel.
10. There are eleven letters in "the alphabet".
9. A river.
8. You have just one - the one you took away.
7. You can't use curlers to take photos! You need a camera.
6. She was a hurricane.
5. Her autobiography.
4. statements.
3. Queue.
2. Seven. The four daughters have only one brother.
1. It's part of his job - he's a justice of the peace.

ANSWERS:-

(Deoraj Dinesh)
Sr. DGM (System)/HQ

In fond memories...



Dr. Ashok Kumar
88081



K.L. Burman
82183



Ranjit Minz
81814



Dasrath Prasad
82042



S.C. Sharma
20757



M.P. Sharma
38805



Daud Oraon
79567



Chandu Oraon
80040



Rana Oraon
80286



Bandu Oraon
81375



Sunil Kumar Prasad
81696



Rajesh Kumar Singh
81697



Delphin Kujur
81935



Kashinath Ram
82171



S.S. Rai
82342



Ram Kalyan Ram
69073

एचईसी द्वारा महिलाओं के लिए निःशुल्क कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम।

मानव संसाधन विभाग एचईसी द्वारा महिला समिति भवन के कस्तुरबा हॉल में महिलाओं के लिए निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक सोमवार से शनिवार तक किया जा रहा है। एचईसी नगर परिसर में रहने वाली महिलायें श्री नागेश झा, वरीय उपमहाप्रबंधक, मानव संसाधन विभाग से सम्पर्क कर अपना निबंधन करवा सकती हैं सभी कर्मचारियों/नगरवासियों से इस कार्यक्रम का लाभ उठाने का अनुरोध किया जाता है।

सम्पर्क करें : फोन नं. 0651-2401387, 0943136859



अपने सुझाव/प्रतिक्रियाएँ निम्न पते पर भेजें या मेल करें :

एचईसी परिवार, कमरा नं. 50, द्वितीय तल, एचईसी मुख्यालय भवन, राँची - 834004
anugrahjha@hecltd.com, Phone : 0651-2401156, Centrax: 250